

डाली बाई ऋषियों की लड़की नूगरा नहीं पिछ्छाणी रे



डाली बाई ऋषियों की लड़की,
नूगरा नहीं पिछ्छाणी रे,
वा नूगरा रो मूडो कालो,
नरका रा हितकारी रे।bd।

भृगु रिसी ने कपट रचायो,
पारो काल निकाली ले,
ले पारो दरखत मेलियो,
जद होईया बाई डाली,
डाली बाई ऋषियों की लड़की,
नूगरा नहीं पिछ्छाणी रे,
वा नूगरा रो मूडो कालो,
नरका रा हितकारी रे।bd।

रामदे विरमदे गमन सिधाए,
हो घोडे असवारी,
दरखत पर ईक लाद्यो पिजरो,
माह मिली बाई डाली,
डाली बाई ऋषियों की लड़की,
नूगरा नहीं पिछ्छाणी रे,
वा नूगरा रो मूडो कालो,
नरका रा हितकारी रे।bd।

कवै रामदे सुणो विरम दे,
कन्या मिली कूवारी,
आ कन्या रिखिया ने सोपो,
नाम धराओ डाली,
डाली बाई ऋषियों की लड़की,
नूगरा नहीं पिछ्छाणी रे,
वा नूगरा रो मूडो कालो,
नरका रा हितकारी रे।bd।

रामदे विरम दे रा चारे बाछ्छा,
भगती कमाई बडी भारी,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



हरी चरणे भाटी हरजी बोलिया,
घर अजमल अवतारी,
डाली बाई ऋषियो री लडकी,
नूगरा नहीं पिछ्छाणी रे,
वा नूगरा रो मूडो कालो,
नरका रा हितकारी रे।bd।

डाली बाई ऋषियों री लडकी,
नूगरा नहीं पिछ्छाणी रे,
वा नूगरा रो मूडो कालो,
नरका रा हितकारी रे।bd।

गायक – रणजीत जोईया ।

प्रेषक – गोविन्द राजपूत ।

7889038248
